जाओ और शिष्य बनाओ

शिष्यता का प्रारम्भ

भाग 2

द्वारा

डोटा

मैनुएल 2

समूह के अगुवों के लिए

तीसरा संस्करण

परिचय

क्या आप यीशु मसीह के शिष्य के रूप में बढ़ना चाहते हैं?
क्या आप दूसरे विश्वासियों की बढ़ने में मदद करना चाहते हैं?

तब आप **शिष्य निर्माण करने के सम्बन्ध में अगुवों के चार मैनुएल** का अध्ययन, तथा प्राप्त शिक्षाओं का अभ्यास ज़रूर करें।
जिसे आगे को : मैनुएल 1–4 पुकारा जाएगा।

यीशु ने चेले बनाए। उसने लोगों से कहा, ''आओ और देखो' और ' मेरे पीछे हो लो' (यूहन्ना 1:39,43)। और हर जगह पर लोग यह ही देखने के लिए आते हैं कि उसने किस प्रकार को जीवन व्यतीत किया और किस कारण उसने अपने प्राणों की कुर्बानी दी। संसार भर के सभी राष्ट्रों में लोग उसकी विशेषताओं और उसके कामों के कारण ही उसका अनुसरण करते हैं। उसने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। उसने हमारे जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है।

बाद में यीशु ने प्रार्थना के साथ बारह लोगों को चेला बनाने तथा उन्हें तैयार करने के लिए चुना। वह चाहता था कि वे प्रगतिशाील अगुवे 'उसके साथ' समय बिताएं, उसकी बातों को सुने तथा उसके जीवन को ध्यान से देखें, उसके जीवन तथा उसकी सेवकाई का अनुसरण करें(मरकुस 3:13–15)।
दो वर्षों के बाद यीशु ने अपने चेलों को लक्ष्य सौंपा ''जाओ और सारी जाति के लोगों को चेला बनाओ''(मत्ती 28:18–20)। और उन्होंने जाकर यरूशलेम से लेकर जगत के छोर तक के लोगों को अपना शिष्य बनाया। ये चेले उनकी बारी आने पर और भी अनछुए इलाकों तक गये और उन्होंने अन्य चेले बनाये। जो कुछ उन्होंने सीखा था वह दूसरों को भी सिखाया (2 तीमुथियुस 2:2)। अतः यीशु मसीह के चेले वर्तमान में सारे देशों में नये शिष्यों को बना रहे हैं।

प्रेरित पौलुस बताते हैं कि यीशु मसीह ने खास मसीहियों को एक काम दिया है।

> ''जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और सेवा का काम किया
> जाए और मसीही की देह उन्नति पाए।'' (इफिसियों 4:11–16)

चार मैनुएल का उददेश्य मसीही समूह के अगुवे की उसकी देख रेख में रहने वाले दूसरे मसीहियों की यीशु मसीह का चेला बनाने में सहायता करना है।'एक चेला या शिष्य' परिपक्व मसीही होता है।

यह पाठयक्रम समूह के अगुवे को निम्नलिखित बातों के देने के द्वारा शिष्यों के प्रशिक्षण को प्रयोगात्मक बनाता है:
1.प्रत्येक मैनुएल में बारह अध्याय होते हैं जिन्हें तीन माह के अन्तराल में समाप्त किया जा सकता है।
2. बाइबल के महत्वपूर्ण हवाले विद्यार्थियों की मसीह व बाइबल को जानने में सहायता करते हैं।
3. समूह के अगुवे दिये गये प्रश्नों का उपयोग करें तथा विद्यार्थियों से चर्चा करने से पहले बाइबल के अनुच्छेद को पढ़ने के लिए बोलें।
4. अध्ययन सामग्री में हर एक प्रश्न के लिए संक्षेप में उत्तर दिये गये हैं। इसके द्वारा अगुवे को मार्गदर्शिका प्राप्त होती है।
5.प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के साथ मिलकर अनुशासन के व्यवहारिक तरीकों का अभ्यास करना सिखाता है।
6.हर एक अध्याय में घर पर तैयार करने के लिए कुछ गृहकार्य होता है, जिसे विद्यार्थियों को दिया जाता है।
7.प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरों तक आगे बढ़ाने के लिए सहज है। 12 अध्याय के इस कोर्स को समाप्त कर लेने के बाद, जो विद्यार्थी दूसरे लोगों के छोटे समूह में इस शिक्षा को बांटेगें, उन्हें अगुवों के लिए तैयार किये गये मैनुएल की एक प्रति दी जाएगी।

हमारी यह प्रार्थना है कि परमेश्वर आपके क्षेत्र में शिष्यों के संख्या को तेज़ी से बढ़ाए और बहुत से लोग यीशु मसीह पर विश्वास करने वाले हो सकें (प्रेरितों 6:7)।

सारी बातों में परमेश्वर को महिमा मिले! 'क्योंकि उसी की ओर से, और उसी के द्वारा और उसी के लिए सब कुछ है। उसकी महिमा युगानयुग होती रहे: आमीन।''(रोमियों 11:36)

डोटा (शिष्यता प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रसारण। यह नाम उस समय की याद दिलाता है जब यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल रेडियो में ही प्रसारित किया जाता था)
1994 (प्रथम संस्करण)
2009 (तीसरा संशोधित संस्करण)

सर्वाधिकार

चारों मैनुएल के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। उन्हें प्रशिक्षण के लिए निःशुल्क नकल किया जा सकता है, लेकिन उन्हें बिना लिखित अनुमति के बेचा या किसी दूसरी भाषा में अनुवाद नहीं किया जा सकता।

सिफारिश

इस सामग्री को बहुतायत से इस्तेमाल करने तथा लोगों को आशीषित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। लेकिन क्योंकि इन चारों मैनुएल का उद्देश्य मसीहियों को तैयार या प्रशिक्षित करना है, इसलिए यह सुझाव दिया जाता है कि शिष्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के अगुवे जिनती ज़रूरत हो उतनी की प्रतियां बनाएं। जब कोई विद्यार्थी बारह अध्यायों के कोर्स को समाप्त कर ले तब ही उसे मैनुएल की एक प्रति दी जाए और तब ही वह किसी दूसरे व्यक्ति या छोटे समूह को इस कार्यक्रम की शिक्षा दे सकता है।

विषय सूची

समूह के अगुवों के लिए मैनुएल 2

शिष्यता का प्रारम्भ–भाग 2

परिचय व सर्वाधिकार

प्रशिक्षण कार्यक्रम 1

तीन माह के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम। सप्ताह में डेढ़ से लेकर 2 धण्टे के लिए। समूह 3–10लोगों तक का ही हो। प्रत्येक कार्यक्रम प्रार्थना के साथ शुरू होकर गृहकार्य देते हुए प्रार्थना के साथ ही समाप्त होता है।

अध्याय 13	आराधना (परमेश्वर ही एकमात्र परमेश्वर व उद्धारकर्ता है।) परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (यूहन्ना 15:1–18:27) शिक्षा(फल लाना। सुसमाचार तथा अपनी गवाही बांटना)
अध्याय 14	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (यूहन्ना 18:28–21:25) याद करना (मसीह : 2 कुरिन्थियों 5:17) बाइबल अध्ययन (मसीही प्रेम। 1 कुरिन्थियों 13:1–13)
अध्याय 15	आराधना परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 1:1–3:10) शिक्षा (मसीही चरित्र। मसीही आत्म–सम्मान)
अध्याय 16	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 3:11–7:60) याद करना (वचनः मत्ती 4:4) बाइबल अध्ययन (मसीही मित्रत्रा। यूहन्ना 15:13–15)
अध्याय 17	आराधना (परमेश्वर विश्वासयोग्य है) परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 8:1–11:18) शिक्षा (स्त्री व पुरूष के बीच सम्बन्ध)
अध्याय 18	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 11:19–14:28) याद करना (प्रार्थना 15:7) बाइबल अध्ययन (विपरीत लिंग वालें लोगों के साथ मसीहियों का सम्बन्ध :1 थिस्लुनिकियों 4:1–8)
अध्याय 19	आराधना (परमेश्वर सिद्ध है) परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 15:1–18:17) शिक्षा (प्रभुता। मसीही प्राथमिकता)
अध्याय 20	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (प्रेरितों 18:18–21:40) याद करना (संगतिः 1 यूहन्ना 1:7) बाइबल अध्ययन (मसीही विवाह। इफिसियों 5:22–33)
अध्याय 21	आराधना (परमेश्वर महान व रचनात्मक है) परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (रोमियों 1–4) शिक्षा (पवित्र आत्मा। पवित्र आत्मा का व्यक्तित्व व उसके कार्य)
अध्याय 22	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (रोमियों 5–8) याद करना (गवाही देनाः मत्ती 10:32) बाइबल अध्ययन (मसीही परिवार। इफिसियों 6:1–4)
अध्याय 23	आराधना (परमेश्वर अनुग्रहकारी है) परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (रोमियों 9–12) शिक्षा (शिष्यता। शिष्य की विशेषताएं)
अध्याय 24	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताना (रोमियों 13–16) याद करना (श्रृंखला का पुनरावलोकनः मसीह में नया जीवन) बाइबल अध्ययन (असमान जुआ– सम्बन्ध 2कुरिन्थियों 6:14–7:1)

परिशिष्ट 8	परमेश्वर। परमेश्वर का स्वभाव व परमेश्वर का पुत्र
परिशिष्ट 9	पवित्र आत्मा। पवित्र आत्मा मसीहियों के परेशानियों में उन्हें सम्भालता है।
परिशिष्ट 10	मसीही चरित्र। जीभ द्वारा चुगली व संयम
परिशिष्ट 11	शिष्यता। शिष्यता कार्यक्रम में व्यवहारिक तरीकों के इस्तेमाल करने का लाभ।
परिशिष्ट	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय बिताने, बाइबल अध्ययन करने, मनन व वचन याद करने का तरीकाः समूह के अगुवों के लिए मॅनुएल 1 में परिशिष्टों को देखें

प्रशिक्षण कार्यक्रम 2

गहन कार्यक्रम का इस्तेमाल सप्ताह में एक बार पूरे दिन या 6 दिन के गहन प्रशिक्षण सेमीनार के दौरान किया जा सकता है। पूरे समूह को प्रशिक्षित समूह अगुवे के साथ छोटे समूहों में बांट दें। समूह को 3–10 लोगों के बीच ही सीमित रखें।

सुझावित कार्यक्रम

09.00–09.30	आराधना (सामुहिक)
09.30–11.00	शिक्षा (सामुहिक)
	अन्तराल
11.30–13.00	बाइबल अध्ययन (सामुहिक)
	अन्तराल
16.00–17.00	शिक्षा या बाइबल अध्ययन को पूरा करने, प्रश्नों के जवाब देने, या अतिरिक्त शिक्षा के लिए(सामुहिक)
	अन्तराल
17.30–17:45	मनन व वचन याद करना (दो दो के समूह में)
17:45–18:30	बाइबल पठन (अकेले)
18:30–19.00	परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत समय व्यतीत करना (दो दो के समूह में)
19.00–19:45	बांटना और प्रार्थना करना (10 लोगों से कम के समूह में)।

दिन 1 (अध्याय 13+14)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर की इकलौता परमेश्वर व उद्धारकर्ता है)
शिक्षा(फल लानाः सुसमाचार व गवाही को बांटना)
बाइबल अध्ययन (1 कुरिन्थियों 13:1–13। मसीही प्रेम)
याद करना (मसीहीः 2 कुरिन्थियों 5:17)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 15:21)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः यूहन्ना 17:1–26)
बांटना व प्रार्थना करना।

दिन 2 (अध्याय 15+16)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर शान्ति का रचयिता है)
शिक्षा(मसीही चरित्र व मसीही आत्म सम्मान)
बाइबल अध्ययन (यूहन्ना 15:13–15। मसीही मित्रता)
याद करना वचनः (मत्ती 4:4)
बाइबल अध्ययन (प्रेरितों 1–7)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः प्रेरितों 3:1–26)
बांटना व प्रार्थना करना।

दिन 3 (अध्याय 17+18)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर विश्वासयोग्य है)
शिक्षा(सम्बन्धः स्त्री व पुरूष के बीच सम्बन्ध)
बाइबल अध्ययन (1 थिस्लुनिकियों 4:1–8 मसीही लोगों के विपरीत लिंग वाले लोगों के साथ रिश्ते)
याद करना (प्रार्थना : यूहन्ना 15:7)
बाइबल अध्ययन (प्रेरितों 8–14)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः प्रेरितों 11:1–30)
बांटना व प्रार्थना करना।

दिन 4 (अध्याय 19+20)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर सिद्ध है)
शिक्षा(प्रभुता ,मसीह प्राथमिकता)
बाइबल अध्ययन (इफिसियों 5:22–33, मसीही प्राथमिकता)
याद करना (संगतिः 1 यूहन्ना 1:7)
बाइबल अध्ययन (प्रेरितों के काम 15:21)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः प्रेरितों 20:13–38)
बांटना व प्रार्थना करना।

दिन 5 (अध्याय 21+22)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर महान और रचनात्मक है)
शिक्षा(पवित्र आत्मा। पवित्र आत्मा का व्यक्तित्व व उसके कार्य)
बाइबल अध्ययन (इफिसियों 6:1–4 मसीही परिवार।)
याद करना (गवाही देना : मत्ती 10:32)
बाइबल अध्ययन (रोमियों 1–8)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः रोमियों 8:31–39)
बांटना व प्रार्थना करना।

दिन 6 (अध्याय 23+24)
प्रार्थना
आराधना (परमेश्वर अनुग्रहकारी है)
शिक्षा (शिष्यता । शिष्य की विशेषताएं)
बाइबल अध्ययन (2 कुरिन्थियों 6:14–7:1 असमान जुआ–सम्बन्ध)
याद करना (श्रृंखला का पुनरावलोकनः मसीह में नया जीवन)
बाइबल अध्ययन (रोमियों 9–16)
परमेश्वर के साथ समय बिताना (दो दो के समूह मेंः रोमियों 12:1–21)
बांटना व प्रार्थना करना।

सम्भावित अतिरिक्त शिक्षाएं

परिशिष्ट 8	परमेश्वर। परमेश्वर को स्वभाव व परमेश्वर का पुत्र
परिशिष्ट 9	पवित्र आत्मा। पवित्र आत्मा मसीहियों के परेशानियों में उन्हें सम्भालता है।
परिशिष्ट 10	मसीही चरित्र। जीभ द्वारा चुगली व संयम
परिशिष्ट 11	शिष्यता। शिष्यता कार्यक्रम में व्यवहारिक तरीकों के इस्तेमाल करने का लाभ।